



# आरत का गज़तपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 185] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 25, 1991/चंत्र 4, 1913  
No. 185] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 25, 1991/CHAITRA 4, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ दर्ख्या बो जाते हैं कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

आधि श्रीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1991

का. आ. 209(अ):—केन्द्रीय सरकार, अधिसंविधान (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन विजय व्यापार चेम्बर लि., मुजफ्फरनगर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा याजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकान्हित में भी होगा, एनद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त याकितों का प्रयोग करने द्वारा उक्त चेम्बर को गृह में अधिसंविधान के बारे में पहली अप्रैल, 1991 से 31 मार्च, 1993 तक (जिसमें ये बोनों वित शामिल हैं) की 2 वर्ष की अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एनवडारा मंजूर की गई मायता इस गति के अधिकारी है कि उक्त एकमवें ऐसे निवेशों का अनु-पालन करेगा, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मि. स. 12/2/प्राइ. टी./91]  
बी. एन. बहादुर, मंपूल सचिव

### MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 25th March, 1991

S.O. 209 (E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by Vijai Beopar Chamber Ltd., Muzaffarnagar and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for a further period of two years from the 1st April, 1991 to the 31st March, 1993 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/2/IT/91]  
B. N. BAHADUR, Jt. Secy.